सं. भी वि./फरीदाबाद/20-84/10137 - चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै॰ एस. जी. स्टील प्रा॰ लि॰, प्लाट नं० 6, सैक्टर-4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हाऊसिंग इस्टेंट बल्लबगड़ फरीदाबाद, के श्रीमक श्री राज नारायण तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौदोगिक विवाद है:

भौर चु कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिणंय हेतु निदिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिए, श्रव, श्रोद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा जकत श्रधिनियम की धारा 7(क) के श्रधीन श्रोद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धिट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायिनगैय के लिए निद्धिट करते हैं :---

क्या श्री राज नारायण की सेवाग्री का समापन न्यायोजित तया ठीत है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो वि /फरोदाबाद/20-84/10144. -- चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं० एस. जी स्टील प्रा. लि., प्लाट नं0 6, सैक्टर-4, इण्डस्ट्रीयल कम-हाउसिंग इस्टेंट, वल्लबगढ़ (फरीदाबाद) के श्रमिक श्री पूरन सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौदोगिक विवाद है;

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रीधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गुई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रीधिनियम की घारा 7 (क) के श्रधीन श्रौद्योगिक श्रीधकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्याय-निर्णय के लिये निर्वादष्ट करते हैं:—

क्या श्री परन सिंह की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो विन्तिरीदावाद/20-84/10151---चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै० एस. जी. स्टील प्रा० लि०, प्लाट नं० 6, सैक्टर-4, इण्डोस्ट्रीयल-कम-हार्जीसग इस्टेट बल्लबगढ़ (फरीदाबाद) के श्रमिक श्री श्रजीत सिंह तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्यौगिक विवाद है;

श्रौर चूं कि हुरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद अधि नियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यणाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7(क) के श्रधीन श्रौद्योगिक श्रिधकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं :——

क्या श्री ब्रजीत सिंह की सेवाब्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो ब्रव किस राहत का हकदार है ?

सं शो. वि. /फरीदाबाद/20-84/10158.— भू कि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं 0 एस. जी. प्रा. लि., प्लाट न • 6, सैक्टर-4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हाउसिंग इस्टेट बल्लबगढ़, (फरीदाबाद) के श्रीमिक जी मुनेशवर लाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई धौथोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा राज्यपान के इस विवाद की न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इस लिए, अब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनयम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रिधिनयम की धारा 7 (क) के ग्रधीन ग्रौद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले, श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री मुनशवर लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हुकदार है ?